भारत-अर्जेंटीना लिथियम साझेदारी

[स्रोत: पी.आई.बी.](#)

भारत और अर्जेंटीना ने **अर्जेंटीना** में लिथियम **अन्वेषण** और निवेश अवसरों के लिये एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये।

- अर्जेंटीना अपने **विशाल लिथियम भंडार** के लिये जाना जाता है और **बोलीविया और चिली** के सहित '**लिथियम ट्रायंगल**' का हिस्सा है।

- **लिथियम:** यह एक **नरम, रजताभ (चाँदी की भाँति श्वेत) क्षार धातु** है और इसे **श्वेत स्वर्ण** भी कहते हैं।
  - यह **सबसे हल्की धातु** और **ठोस तत्व** है तथा इसे **क्षार और दुर्लभ धातु** दोनों रूप में वर्गीकृत किया गया है।
    - इसका खनन **पेटालाइट, लेपिडोलाइट, स्पोड्यूमीन** तथा भूमिगत ब्राइन अयस्कों से किया जाता है।
  - यह **अत्यधिक अभिक्रियाशील और ज्वलनशील है** और इसे **खनिज तेल** में संग्रहित किया जाना चाहिए ।
  - यह [इलेक्ट्रिक वाहन बैटरी]() और [नवीकरणीय ऊर्जा]() **भंडारण** के लिये आवश्यक खनिज है।
  - **चिली (प्रथम), चीन (द्वितीय) और ऑस्ट्रेलिया (तृतीय)** में लिथियम के **सबसे बड़े भंडार** हैं।
  - भारत में, **सलाल-हैमना क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर का रियासी ज़िला), कोडरमा और गिरिडीह (झारखंड) तथा मांड्या (कर्नाटक)** में लिथियम भंडार हैं।

और पढ़ें: [अर्जेंटीना के साथ लिथियम-डील]()

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-argentina-lithium-partnership